दीन की खिदमत करने वालों के लिए खुशखबरी

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

1] बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत मुआविया रदी.

मैने रसूलुल्लाहﷺ को ये फरमाते हुए सुना की मेरी उम्मत मै बराबर एक ऐसा गिरोह मौजूद रहेगा जो अल्लाह के दीन का मुहाफिज़ (रक्षा करने वाला) रहेगा, जो लोग उन्की मुखालिफत करेंगे वो उन्को तबाह नहीं कर सकेंगे, यहां तक की अल्लाह तआला का फैसला आ-जाए और ये दीन के मुहाफिज़ लोग अपनी इसी हालत पर कायम रहेंगे.

2] मुस्लिम, रावी हज़रत अबू हुरैरा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की मेरी उम्मत मै सब से ज्यादा मुझ से मुहब्बत करने वाले कुछ ऐसे है जो बाद मै आएंगे,

उन्मे से हर एक तमन्ना करेगा की काश मुझे देखता अपने घर वालों और अपने माल के साथ.

3] मिश्कात, रावी हज़रत अमर बिन औफ रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की इस्लाम मज़हब शुरू मै लोगों के लिए अजनबी था और ये पहले की तरह अजनबी हो जाएगा तो अजनबियों के लिए खुशखबरी हो और ये वो लोग है जो मेरे बाद मेरे तरीकों को जिसे लोगों ने बिगाड डाला होगा जिन्दा करने के लिए उठेंगे. इस्लाम जब फैलना शुरू हुआ तो उस वकत अजनबी था जिसे लोग नहीं पहचानते थे. फिर आपﷺ और उन्के साथियों की लगातार कोशिश से उस्को गलबा व इकतिदार हासिल हुआ और उसे लोगों ने कुबूल किया, फिर धीरे-धीरे वो दुनिया के लिए अजनबी बन जाएगा और उस जमाने मै जो लोग दीन को ज़िन्दा करने के लिए उठेंगे वो अजनबी बन जाएगे. ऐसे लोगों को आपﷺ ने खुशखबरी दी है.